राजस्थान सरकार

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर

RSCERT Udaipur

हवामहल

बच्चों का झरोखा

12 अगस्त 2023: शनिवार: वर्ष – 04: अंक – 17

चाँद और तारे
आज की कविता

आसमान में एक बड़ा, प्यारा-सा, परिवार रहता है। उसके सदस्य हँसते खेलते अपना समय गुजारते हैं। लुका छिपी का खेल उनका पसंदीदा खेल है। बादल उनका झरोखा भी है और सवारी भी। दिन रात वो क्या मस्ती करते हैं? सुनते हैं इस कविता में। कविता सुनने के लिए चित्र पर क्लिक करें ।

3+ वर्ष के बच्चों के लिए। BookBox

किंशुक का पेड़
आज की कहानी

राजा के चारों राजकुमार किंशुक का पेड़ देखना चाहते थे। उनके सारथी ने सबको अलग अलग समय में जंगल ले जाकर किंशुक का पेड़ दिखाया। सबने पेड़ के अलग अलग रंग रूप देखे। जब उनकी असहमति राजा के सामने गई तो राजा ने उनके अनुभव से एक निष्कर्ष निकाला । क्या था ये निष्कर्ष? देखते और सुनते हैं ये कहानी। चित्र पर क्लिक करें।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। BookBox

नाच
आज की किताब

गाँव के लोग बेहद खुश हैं कि आज रात को नाच होगा । वे नाच देखने के लिए बहुत उतावले हो रहे हैं । लेकिन यह क्या? बिजली ही गुल हो गई। अब क्या होगा? तुम्हें क्या लगता है नाच होगा या नहीं? लोग नाच कैसे देखेंगे? पढ़ते हैं ये मजेदार कहानी । पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें ।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Room To Read

चलने वाली चप्पलें
आज की गतिविधि

चप्पलें पहनकर तो सब चलते हैं, पर क्या कभी चप्पलों को खुद चलते हुए देखा है? हैं न मजेदार बात ! हम खुद चलने वाली चप्पलें बना सकते हैं। एक छोटा गत्ते का पीस, दो तार, एक खाली रिफिल, दो पिन, एक छोटा पीवीसी पाइप का टुकड़ा और दो ढक्कन। चलने वाली चप्पलें बनाने की विधि देखने के लिए चित्र पर किलक करें।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Arvindguptatoys

कहानी से आगे
टीचर्स कॉर्नर

कक्षाओं में अक्सर यह होता है कोई बात आई गई हो जाती है। कविता हो, कहानी हो, कोई लोकोक्ति या मुहावरा हो या फिर कोई अन्य बात । उसपर ठहरकर, सुनकर, समझकर बात करने और उसे अपने संदर्भों में जोड़कर देखने का कम ही मौका बनता है। मोअज्जम अली एक कक्षा अनुभव से इस बात को रख रहे हैं। आलेख पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

शिक्षकों के लिए। Shaikshnik Sandarbh

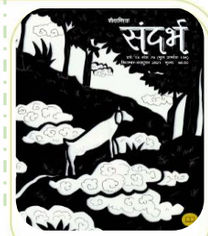

किताबें जीवन से आती है
हमारा पुस्तकालय

किताबों के विषयों के बारे में तरह तरह की राय देखने सुनने को मिलती है। बच्चों की किताबों पर बच्चों की बजाए हम बड़ों की राय हावी हो जाती है और हम ही फैसले करने बैठ जाते हैं कि बच्चों के लिए क्या ठीक है और क्या नहीं। शिक्षकों के साथ दो किताबों पर इसी तरह की राय मशविरे से जुड़े अनुभव को लिखा है अनिल सिंह ने। आइए चित्र पर क्लिक करके इसे पढ़ें।

शिक्षकों के लिए। Parag

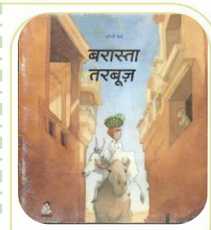

#सबपढ़े

#सबबढ़े

साथियों, हवामहल का 172वाँ अंक आपके हाथों में हैं। खुद जुड़िये और अपने दोस्तों को भी जोडिए। बताइएगा कि यह अंक कैसा लगा?

हवामहल के सभी अंकों को प्राप्त करने के लिये यह QR कोड स्कैन करें।

आज का अंक आपको कैसा लगा? अपने सुझावों से अवगत कराने के लिए सुझाव पेटिका के चित्र पर क्लिक करें।